महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

बीकानेर, (कासं)। महाशिवरात्रि का पावन पर्व आज बीकानेर सहित पूरे देश में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया। रविवार और महाशिवरात्रि के विशेष संयोग के चलते शहर के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर होते ही भक्तजन भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और रूद्राभिषेक के लिए मंदिरों की ओर रवाना होने लगे।

सुबह से ही लालेश्वर महादेव मंदिर, बारह महादेव, कर्जमुक्तेश्वर महादेव, जनेश्वर महादेव मंदिर, रंगोलाई और अचलेश्वर महादेव मंदिर में लम्बी कतारें लगी रही। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठे, जिससे पूरे शहर का वातावरण शिवमय हो गया। श्रद्धालु भगवान शिव को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना कर रहे हैं। कई भक्त उपवास रखकर विशेष पूजा-अर्चना में शामिल हुए और शिवलिंग पर विधिवत अभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिरों में दिनभर विशेष पूजा, आरती, रूद्राभिषेक और भजन-कीर्तन के आयोजन जारी रहेंगे। वहीं श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की उचित व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसरों में स्वयंसेवक भी भक्तों की सहायता में सक्रिय नजर आए। इस पावन पर्व पर बीकानेर के शिवालयों में उमड़ी आस्था ने यह संदेश दिया कि महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं बल्कि भक्ति, विश्वास और शिव आराधना का महापर्व है।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने अभिषेक किया।

काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारी राजेन्द्र सेवग ने बताया कि आज शिवरात्रि के अवसर पर सुबह से ही दर्शनार्थी भगवान शिव को रिझा रहे हैं। सुबह से ही अभिषेक चल रहा है। रात आठ बजे से सुबह तक चार प्रहर की विशेष पूजा होगी। साथ ही महाआरती भी होगी। पंड़ित राजेन्द्र सेवग ने बताया कि वे बीत पांच दशक से इस प्राचीन मंदिर में पूजा कर रहे हैं।

नत्थूसर गेट बाहर स्थित मगनेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर है। जहां पर आज श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है। नियमित रूप से पूजन-अभिषेक के लिए आने वाले सत्यनारायण व्यास ने बताया कि यह बहुत ही प्राचीन मंदिर है, यहां पर खास यह है कि इसमें आने वाले श्रद्धालु ही पुजारी है। जो भी आता है अपनी पूजा करता है। मंदिर का रखरखाव भी जन सहयोग से ही हो रहा

■ भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और रूद्राभिषेक के लिए मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा

है। सत्यनारायण व्यास बीते कई दशकों से यहां नियमित पूजन आरती के समय आते हैं। जस्सोलाई स्थित जनेश्वर मंदिर परिसर में अंचलेश्वर महादेव मंदिर में आज दर्शनार्थियों की भीड़ लगी है। मंदिर के मुख्य पुजारी बाबूलाल सेवग ने बताया कि उनके दादा और पिता के बाद अब वो सेवा कार्य संभाल रहे हैं। इन दिनों मंदिर में जीर्णोद्धार का काम चल रहा है। मंदिर में हर शिवरात्रि को ओम नम शिवाय: का विशेष जाप होता है। आज रात से कल सुबह तक 9 घंटे में 50 हजार से नाम जाप होगा। पुजारी ने बताया कि वे बीते तीन दशक से यहां पर पूजा अर्चना कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में आज अभिषेक करने के लिए आए शिव भक्त के.के.छंगाणी ने बताया कि वे बीते चार दशक से यहां पूजन और दर्शन के लिए आ रहे है।

लव-कुश वाटिका में मियावाकी जंगल का शुभारंभ

सूरतगढ़,(कासं)। शहर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मिशन ग्रीन सिटी समिति द्वारा रविवार को वन विभाग की लव कुश वाटिका में मियावाकी जंगल का शुभारंभ किया गया।

इस परियोजना को कनेक्टहिओर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से शुरू किया गया है। समिति संरक्षक डॉ. मधु घई की प्रेरणा से कंपनी द्वारा मियावाकी जंगल के लिए होने वाला समस्त खर्च वहन किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान समिति प्रभारी सुनील सोनी ने बताया कि मियावाकी एक जापानी पद्धति है, जिसके माध्यम से शहरी क्षेत्रों में कम स्थान पर भी सघन वन विकसित किए जा सकते हैं। इस पद्धति के तहत लव कुश वाटिका में स्थानीय प्रजातियों के लगभग 600 पौधे लगाये जायेंगे, जो भविष्य में घने और आत्मनिर्भर वन का रूप लेंगे।

समिति अध्यक्ष अशोक सोनी ने इस अवसर पर प्रेरणास्त्रोत डॉ. मधु घई तथा सहयोगकर्ता कनेक्टहिओर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का आभार व्यक्त किया। समिति मुख्य सचेतक मुकेश माहेश्वरी ने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि मियावाकी पद्धति शहरों के लिए वरदान साबित हो रही है।

सार-समाचार

सेना भर्ती रैली का समापन

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय स्टेडियम बीकानेर में आयोजित सेना भर्ती रैली में भाग लेते अभ्यर्थी।

बीकानेर, (कासं)। वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यालय भर्ती क्षेत्र, जयपुर (राजस्थान) की अंतिम भर्ती रैली भर्ती कार्यालय, झुंझुनूं द्वारा बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, झुंझुनूं और श्रीगंगानगर जिलों के लिए सेना भर्ती रैली 29 जनवरी से 15 फरवरी तक स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय स्टेडियम, बीकानेर में आयोजित की गई। चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद इन जिलों के युवाओं ने राजस्थान के युवाओं की विशेषता देशभक्ति और जोश का प्रदर्शन करते हुए रैली में बड़ी संख्या में भाग लिया। भर्ती रैली में ड्रग टेस्ट का भी परीक्षण किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उम्मीदवार शारीरिक परीक्षण में प्रदर्शन बढाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग न करें। निर्दोष अभ्यर्थी किसी दलालों और बेईमान तत्वों के झांसे में न आये। इसके लिए कड़े दलाली विरोधी उपाय किए थे। मुख्यालय भर्ती क्षेत्र जयपुर ने रैली में भाग लेने वाले उम्मीदवारों के लिए किये गए। सहयोग और व्यवस्थाओं के लिए नागरिक प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बीकानेर में सेना भर्ती रैली के समापन के साथ, भर्ती वर्ष 2025-26 के लिए दूसरे चरण की भर्ती रैलियां पूरी हो गई है। दूसरे चरण का अंतिम परिणाम जिसमें जोधपुर और बीकानेर की आर्मी भर्ती रैलियां शामिल है। मई 2026 तक प्रकाशित होने की संभावना है और सफल उम्मीदवारों को 01 जुलाई 2026 से शुरू होने वाले प्रशिक्षण के लिए जून 2026 के अंतिम हफ्ते तक उनके संबंधित रेजिमेंटल केन्द्रों पर भेज दिया जायेगा।

हरिद्वार से लाई कांवड़ से रूद्राभिषेक

श्रीगंगानगर, (कासं)। पुरानी आबादी वार्ड नंबर-16 स्थित बाबा बालक नाथ टीले पर हरिद्वार से लाई गई खड़ी कांवड़ पहुंची। सेवादारों ने हर की पौड़ी से लाए गए गंगाजल के साथ यात्रा पूरी की। भगवान शिव का विधिवत रूद्राभिषेक किया जायेगा। इस अवसर पर टीले में जागरण का भी आयोजन होगा। महंत बाबा दिवाली नाथ ने बताया कि 9 फरवरी को नीलकंठ में पहली खड़ी कांवड़ अर्पित करने के बाद डेरे के सेवादार हरिद्वार पहुंचे थे। वहां से हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर श्रीगंगानगर के लिए रवाना हुए। करीब पांच दिन की कठिन पैदल यात्रा के बाद कांवड़ शनिवार को बाबा बालक नाथ टीले में पहुंची। उन्होंने बताया कि पूरी यात्रा के दौरान बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। रास्ते भर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। बाबा दिवाली नाथ ने बताया कि इस पैदल कांवड़ यात्रा में कुल 11 सेवादार शामिल थे। सभी को चार-चार के जत्थों में बांटा गया। पहले 15 किलोमीटर, फिर 10 किलोमीटर और उसके बाद 5 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए एक-एक टोली आगे बढ़ती थी। इस रणनीति से यात्रा सुचारू रही और हरिद्वार से श्रीगंगानगर का सफर पांच दिन में पूरा हो गया। सेवादारों ने बताया कि पूरे मार्ग में लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया। पानी और फल-प्रसाद की व्यवस्था की। श्रद्धालुओं की सेवा भावना ने यात्रा को और भी यादगार बना दिया। रविवार शाम रूद्राभिषेक के बाद जागरण में भजन-कीर्तन होंगे। शाम 4 बजे जैसे ही महंत जी और कांवडियों का जत्था पुलिस लाइन के पास पहुंचा, वहां पहले से मौजूद डेरे के समस्त सेवादारों ने उन पर भारी पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। बम-बम भोले और बाबा बालक नाथ के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। भक्ति संगीत और बैंड की धुनों पर नाचते-गाते हुए श्रद्धालु महंत को सम्मानपूर्वक बाबा बालक नाथ डेरे तक लेकर आए। खड़ी कांवड़ की इस कठिन तपस्या को पूर्ण कर लौटे सेवादारों के दर्शन के लिए मार्ग में जगह-जगह लोगों की भीड़ उमड़ी।

'नशे से युवाओं को बचाएं'

सूरतगढ़, (कासं)। श्रीगंगानगर एसपी के निर्देशन में चलाए जा रहे नशे के खिलाफ चौपाल अभियान के तहत सूरतगढ़ में वार्ड 17, 18 एवं 32 के वाल्मीकि समाज के युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने आरसीपी खेल ग्राउंड में आयोजित संध्या चौपाल में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीएसपी प्रतीक मील तथा शहर थाना प्रभारी दिनेश सारण मौजूद रहे। चौपाल को संबोधित करते हुए डीएसपी प्रतीक मील ने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है, जो समाज और राष्ट्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसे जड़ से समाप्त करने के लिए पुलिस के साथ-साथ समाज के बुद्धिजीवियों, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने आमजन से अपील की कि नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप दें। थाना प्रभारी दिनेश सारण ने कहा कि नशे के कारण पीढियां बर्बाद हो रही हैं और युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने की अपील की। साथ ही कहा कि बस्ती में संदिग्ध गतिविधि देखें तो पुलिस को सूचना दें।

गंडासी से भाभी पर किया हमला

श्रीगंगानगर, (कासं)। जवाहर नगर थाना क्षेत्र की मास्टर कॉलोनी में एक युवक ने गंडासी से अपनी भाभी पर हमला कर दिया। घायल महिला को पहले सरकारी और फिर निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने घायल महिला के पर्चा बयान पर उसके देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सुनीता सिवान निवासी गली नंबर 5, मास्टर कॉलोनी ने पर्चा बयान दिया कि वह पिछले पांच वर्षों से रामकुमार जांदू के घर झाड़ू पोछे का कार्य करती है। सुबह करीब 9 बजे वह काम पर जा रही थी। अशोक नगर में पुल के आगे राधे एनक्लेव की ओर मुख्य सड़क पर उसका देवर सुनील मुंह ढके बैठा मिला। सुनील ने गाली गलौज करते हुए गंडासी से उसके बाएं हाथ पर वार किया, जिससे अंगूठे और उंगलियों के बीच गंभीर चोट आई।

खेजड़ी की अवैध कटाई पर 1961 से रोक, फिर भी धड़ल्ले से कट रही है

बीकानेर,(कासं)। राज्य वृक्ष खेजड़ी की अवैध रूप से कटाई पर 1961 से प्रतिबंध है। उसके बाद भी सोलर प्लांट लगाने के लिए खेजड़ी काटने का काम धड़ल्ले से चल रहा है।

पिछले एक साल की बात करें तो बीकानेर जिले में सोलर प्लांट लगाने के लिए लगभग 10 हजार खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं, लेकिन उन्हें रोका नहीं जा सका। बड़ा सवाल ये है कि अब खेजड़ी की कटाई कैसे रोक पायेगा जिला प्रशासन। यह आंकड़ा पटवारियों और वन विभाग की उन मौका फर्द रिपोर्ट्स का है, जिन पर उपखंड कोर्ट में टेनेंसी एक्ट के तहत केवल जुर्माना वसूला गया है। हालांकि यह संख्या कई गुना अधिक होगी। क्योंकि अधिकांश मामलों में पटवारी या वन कर्मी पहुंच ही नहीं पा रहे हैं। हाल ही में खेजड़ी बचाओ आंदोलन चला।

हजारों पर्यावरण प्रेमी 11 दिन तक महापड़ाव पर बैठे रहे। आंदोलन खत्म करने के लिए सरकार ने राजनीतिक पैंतरे अपनाए। प्रतिनिधिमंडल राजस्व सचिव की ओर से सभी कलेक्टर्स को जारी आदेश लेकर आया, जिसकी

■ सोलर प्लांट लगाने के लिए बीकानेर जिले में एक साल में 10 हजार पेड़ कट गए, कैसे रोकेगा प्रशासन

अंतिम पंक्ति कहती है कि सरकार खेजड़ी संरक्षण एवं अवैध कटाई नहीं होने देने के प्रति पूर्णत: संकल्पित है।

अत: इस क्रम में प्रभावी कार्यवाही करें। जबकि काश्तकारी अधिनियम 1965 और राजस्थान वन अधिनियम 1953 भी यही बात कहते हैं। फिर भी एक और आदेश जारी हो गया लेकिन यहां सवाल कलेक्टर से है कि वे खेजड़ी की कटाई कैसे रोकेंगी। फिलहाल उपखंड मुख्यालयों को आदेश का इंतजार है। खेजड़ी के पेड़ों की कटाई रोकने के लिए केवल एक आदेश जारी करना ही काफी नहीं है। सरकार को इसके लिए जल्दी ही कड़ा कानून लाना होगा। राइजिंग राजस्थान में 19 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू केवल एनर्जी क्षेत्र में हुए हैं। अभी बड़ी संख्या में सोलर प्लांट लगने बाकी हैं। जमीनी हकीकत ये है कि लाखों रूपए के ठेके पेड़ काटने के हो रहे हैं। इससे पेड़ माफिया पनप गए हैं। खेजड़ी पर प्राइवेट बिल पेश करने वाले शिव क्षेत्र से विधायक रविन्द्र सिंह भाटी का कहना है कि सरकार ने सोलर कंपनियों से एमओयू किया है और उन्हें जमीन भी दी है। वहां कलेक्टर किस अधिकार से खेजड़ी की कटाई रोक सकेंगे। यदि सरकार सही मायने में खेजड़ी बचाना चाहती है तो अनुच्छेद 213 के तहत अध्यादेश लाना होगा।

दिव्या बिश्नोई, एसडीएम पूगल का कहना है कि सभी पटवारियों को फील्ड में रहने के लिए पाबंद कर रखा है। सोलर प्लांटों पर उन्हें निरीक्षण करने के निर्देश दे रखे हैं। दर्ज परिवादों पर टेनेंसी एक्ट में कार्यवाही जारी है। राजस्व सचिव के आदेश सोशल मीडिया पर देख लिए हैं।

मोखराम धारणिया, अध्यक्ष जीव रक्षा संस्था ने बताया कि राजस्व विभाग के आदेश तहसील स्तर तक नहीं पहुंचे।

ट्रेन में किन्नरों का हंगामा, कोच में की तोड़फोड़

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर से अमृतसर जा रही ट्रेन संख्या 14803 (भगत की कोठी) में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ किन्नरों ने पीलीबंगा के पास ट्रेन में हंगामा और तोड़फोड़ कर दी।

घटना का वीडियो यात्रियों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक किन्नर वातानुकूलित कोच के फाटक में लगा कांच तोड़ता नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ किन्नर सूरतगढ़ से ट्रेन में सवार हुए थे और अलग-अलग कोच में जाकर यात्रियों से रूपयों की मांग करने लगे।

विरोध करने पर वे एसी कोच में पहुंच गए और वहां भी शोर-शराबा शुरू कर दिया। पीलीबंगा पहुंचने से पहले एक किन्नर ने कथित रूप से बदसलूकी करते हुए कोच के दरवाजे का कांच तोड़ दिया। सूचना मिलते ही टीटी हीरालाल सुथार मौके पर पहुंचे और हनुमानगढ़ स्थित आरपीएफ थाने को रिपोर्ट दी। बीकानेर कंट्रोल रूम को भी घटना से अवगत कराया गया। राहत की बात यह रही कि किसी यात्री को शारीरिक चोट नहीं आई।

मां-बाप की देखभाल कर रहे पति के हक में फैसला

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में चल रहे केस को जयपुर ट्रांसफर करने के लिए पत्नी ने राजस्थान हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने पति-पत्नी के तलाक से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण आदेश दिया है। जस्टिस रेखा बोराणा की सिंगल बेंच ने जयपुर की रहने वाली पत्नी (45) की ओर से दायर ट्रांसफर अर्जी खारिज कर दी।

कोर्ट ने साफ किया कि महिलाएं पीड़ित होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पुरूषों की परेशानियों को नजरअंदाज कर दिया जाए। समानता का मतलब दोनों पक्षों को बराबरी से देखना है। अगर पत्नी का प्रार्थना पत्र स्वीकार होता है तो पति को पत्नी की तुलना में ज्यादा परेशानियों का सामना करना होगा। कोर्ट ने 5 फरवरी को ये फैसला सुनाया। पत्नी की ओर से 21 मई 2025 को ट्रांसफर अर्जी लगाई गई थी। पति पक्ष से मामले की पैरवी कर रहे एडवोकेट उदयशंकर आचार्य ने बताया कि अदालत ने सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए संतुलित निर्णय दिया है। पत्नी ने हाईकोर्ट में सिविल ट्रांसफर एप्लीकेशन दाखिल कर

■ बीकानेर में चल रहे तलाक केस को जयपुर ट्रांसफर करने की पत्नी की अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज की

बताया था कि उसके पति ने तलाक की अर्जी बीकानेर की फैमिली कोर्ट में लगा रखी है। पत्नी का कहना था कि वह साल 2005 से जयपुर में रह रही है। इसलिए तलाक का मामला भी जयपुर ट्रांसफर किया जाए।

पति ने ट्रांसफर अर्जी में बताया कि वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। उसकी मां कैंसर से पीड़ित है और पूरी तरह बिस्तर पर है। पिता की उम्र 80 साल से अधिक है। ऐसे में उनके इलाज और देखभाल की जिम्मेदारी उसी पर है। इसलिए बार-बार जयपुर आना संभव नहीं है। सुनवाई के दौरान पति पक्ष के वकील ने बताया कि न्यायालय बीकानेर पत्नी के पेशी पर आने के लिए होने वाले खर्च के लिए कोई आदेश पारित करता है तो महिला का खर्च पति उठाने को तैयार है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा की धमकी पर सुरक्षा का आदेश

बीकानेर, (कासं)। जोधपुर हाईकोर्ट ने गैंगस्टर रोहित गोदारा की ओर से आरपीएस अधिकारी पर दर्ज मामला वापस लेने के लिए बीकानेर के एक परिवार को धमकी दिए जाने पर परिवार के लोगों को सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने और मामले की गंभीरता से जांच के आदेश दिए हैं।

गंगाशहर रोड पर धोबी तलाई एरिया निवासी एक परिवार के लोगों को पिछले दिनों विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा की ओर से जान से मारने की धमकी दी गई थी। परिवादी पक्ष का आरोप है कि उसने आरपीएस अधिकारी पर दर्ज मारपीट का मामला वापस लेने के लिए धमकी दी। जिसकी शिकायत 8 जनवरी को पुलिस अधिकारियों को लिखित में की गई।

मामले में पीड़ित परिवार के लोगों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर

■ आरोप है कि उसने आरपीएस अधिकारी पर दर्ज मारपीट का मामला वापस लेने के लिए धमकी दी

की गई। हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए मामले को गंभीर माना और राज्य के गृह सचिव, डीजी को उच्च अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा बीकानेर एसपी को परिवादी पक्ष के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जब नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा पर वास्तविक एवं गंभीर खतरा हो, तब राज्य मूकदर्शक नहीं बन सकता।

गहने नहीं लौटाने का मामला दर्ज कराया

लूणकरनसर,(कासं)। लूणकरनसर कस्बे में महिला ने अपनी भानजी और उसके पति सहित तीन अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि मकान निर्माण के दौरान संभालने के लिए दिए गए उनके और उनकी बेटी के जेवर वापस नहीं लौटाए जा रहे हैं।

पीड़ित महिला ने बताया कि उन्होंने 23 दिसम्बर को अपने जेवर और अपनी बेटी के गहने अपनी भानजी प्रेम, उसके पति राकेश, संतरी और अजय को सौंपे थे। यह गहने मकान के निर्माण कार्य चलने के कारण सुरक्षित रखने के लिए दिए गए थे। इन जेवर में तीन भरी सोने की एक चेन, दो भरी सोने की एक अन्य चेन, तीन भरी सोने की अंगूठी व झुमकी, एक भरी सोने की बिंटी और डेढ़ तोला सोने का मंगलसूत्र शामिल हैं।

नेहरा नगर में सीवर लाइन लीक होने से मकानों को नुकसान

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर के नेहरा नगर में यूआईटी की ओर से 13 साल पहले सीवर लाइन डलवाई गई थी। लेकिन इस लाइन का मुख्य सीवरेज व एसटीपी से आज तक मिलान नहीं किया गया है। इस कारण नेहरा नगर की 7 गलियों में रहने वाले 200 से अधिक परिवार परेशान हैं। निकासी का रास्ता नहीं मिलने के कारण सड़क के नीचे से सीवरेज लाइन लीक हो रही है, जिससे आसपास के मकानों को काफी नुकसान होने लगा है।

लोगों ने समस्या समाधान की मांग लेकर कई बार प्रदर्शन किए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर शिकायतें की। यूआईटी के अधिकारियों से लेकर कलेक्टर एवं विधायक तक समस्या के समाधान की गुहार लगाई लेकिन किसी भी स्तर पर सुनवाई नहीं हो रही।

■ गंगानगर के नेहरा नगर में 50 से अधिक घरों की दीवारों में आई दरारें

वहीं यूआईटी सीवरेज लाइन डालने वाली कंपनी तोशीबा कंपनी को हर माह ओएंडएम के नाम पर लाखों रूपए का भुगतान कर रही है।

शनिवार को एक संवाददाता ने नेहरा नगर में जाकर वहां सड़कों के नीचे दफन सीवर लाइन व इससे परेशान लोगों के दर्द को जानने का प्रयास किया। संवाददाता की पड़ताल में सामने आया कि कॉलोनी में 50 से अधिक घरों में सीवर लाइन से नुकसान हुआ है।

नेहरा नगर की गली नं.1 में रहने वाले रमेश जैन, राजकुमार, आशीष सैन, सतीश कुमार, गली नं. 2 में रहने वाले रमेश कांति, मनोज शर्मा, गुलाब, आत्माराम, गली नं. 3 के जयप्रकाश, विजय सिंह राठौड़, प्रभुशाह, गली नं. 4 के मदन टेलर, महेश पटवा, मनोज कुमार अरोड़ा, गली नं. 5 के जगदीश प्रसाद, शंभु शाह, गली नं. 6 के ताराचंद माहर, बद्री शर्मा, हेमराज, गली नं. 7 के दीनदयाल शाह आदि के मकानों को सीवरेज लाइन से लीक हो रहे पानी से नुकसान पहुंच रहा है। इन लोगों सीवर लाइन के पानी से क्षतिग्रस्त अपने मकान की मरम्मत करवानी पड़ रही है।

एसएसबी रोड से देवरथों की ढाणी सहित अन्य कॉलोनियों का गंदा पानी यहां से निकल रहे सिंचाई विभाग के खाले में डाला जा रहा है।

साइकिल चलाकर दिया 'फिटनेस की डोज़-आधा घंटा रोज़' का संदेश

बीकानेर, (कासं)। भारत सरकार की फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत डूंगर महाविद्यालय में रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का 13 वां संस्करण आयोजित किया गया।

जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुरेन्द्र कूकणा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम और साइक्लिंग के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम सुबह 8:00 बजे आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम का राजकीय डूंगर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेन्द्र पुरोहित तथा जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुरेन्द्र कूकणा ने हरी

राजकीय डूंगर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेन्द्र पुरोहित तथा जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुरेन्द्र कूकणा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। अतिथियों ने प्रतिभागियों को फिट रहने, साइक्लिंग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ साइकिल रैली में हिस्सा लेते हुए 'फिटनेस की डोज़, आधा घंटा रोज़' का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान वार्म-अप एवं स्ट्रेचिंग गतिविधियों के माध्यम से फिटनेस के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में सुरेन्द्र कूकणा ने बताया कि बीकानेर में प्रत्येक रविवार को संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया जाता है। साथ ही सभी प्रतिभागियों को नियमित रूप से साइक्लिंग अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य राजेन्द्र पुरोहित तथा जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुरेन्द्र कूकणा, मुन्नीराम गोदारा, धर्माराम, बस्तीराम, राजेश चौधरी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

24.60 लाख भुगतान के आदेश

बीकानेर, (कासं)। मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण की ओर से सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत पर उसके परिजनों को 24.60 लाख रूपए का भुगतान करने के आदेश दिए हैं। दंतौर निवासी दलबीर सिंह 26 मई, 2020 को अपनी गाड़ी में भुना से कालोद जा रहा था। शाम को 7.30 बजे गांव लुदास के पास हिसार बाईपास राजगढ़ रोड़ पर सड़क के बीचों बीच बिना इंडिकेटर सड़क के बीचों-बीच खड़े किए ट्रक से टक्कर हो गई। दलबीर को गंभीर चोटें लगी जिसे अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की ओर से ओम बिश्नोई ने अधिकरण में दावा पेश किया। अधिकरण ने सुनवाई कर मृतक के परिजनों को 24,60,220 रूपए मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। यह राशि 7 प्रतिशत ब्याज सहित ट्रक मालिक चूरू निवासी मोहनराम, चालक रोहिताश तथा बीमा कंपनी को संयुक्त रूप से या पृथक-पृथक भुगतने होंगे।

कसौटीनाथ महादेव मंदिर में हुमायूं ने ली थी शरण

बीकानेर,(कासं)। यहां कसौटीनाथ महादेव मंदिर जहां 16 वीं शताब्दी में मुगल सम्राट हुमायूं ने शेरशाह सूरी से हारने के बाद गुप्त रास्ते से भागते हुए शरण ली थी। मंदिर परिसर में लगे सरकारी सूचना बोर्ड पर भी इस ऐतिहासिक तथ्य का उल्लेख है, जिससे इसकी प्रमाणिकता सिद्ध होती है।

कसौटीनाथ महादेव मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केन्द्र नहीं बल्कि इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय का साक्षी भी है। बताया जाता है कि शेरशाह सूरी से पराजय के बाद हुमायूं जब जान बचाकर भाग रहा था। तब उसने बीकानेर स्थित इस मंदिर में गुप्त रूप से निवास किया था। इस मंदिर की स्थापना 16 वीं शताब्दी में मानी जाती है। बाद में 17 वीं शताब्दी में बीकानेर के तत्कालीन शासक महाराजा गज सिंह ने इसका पुनरूद्धार करवाया। पुनरूद्धार के दौरान मंदिर को भव्य स्वरूप दिया गया और इसकी ऊपरी मंजिल पर गजपतेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की गई।

गजपतेश्वर महादेव मंदिर की विशेषता यह है कि यह पूरी तरह खुले में स्थित है और इस पर छत नहीं है। मंदिर परिसर में अद्भुत शिवलिंग के साथ श्रीयंत्र भी स्थापित है, जिससे इसका आध्यात्मिक महत्व और बढ़ जाता है। यह मंदिर नाथ संप्रदाय के संतों की तपोस्थली भी रहा है। मंदिर के पुजारी मनोज सेवग के अनुसार यहां नाथ संप्रदाय से जुड़े कई संतों ने कठोर तपस्या की। मंदिर परिसर में लगभग छह फीट गहरी एक गुफा है, जहां संत-महात्मा वर्षों तक साधना करते थे। मुख्य गर्भगृह में कसौटीनाथ महादेव विराजमान हैं। इसके अलावा परिसर में गजपतेश्वर महादेव और माता चामुंडा का मंदिर भी स्थित है। माता चामुंडा का मंदिर एक गुफा के रूप में पीछे स्थित है। मंदिर के नीचे कभी माता काली का मंदिर भी था, जो वर्तमान में बंद है। परिसर में स्थित नाथसागर तालाब जमीन से लगभग 30 फीट नीचे है।